पायल की चुदाई-4

“अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार। मैं अभी आपको गुजरात के सूरत में अपनी एक दोस्त पायल की चुदाई की कहानी बता रहा हूँ। अभी मैं उसकी चुदाई से निपटा हूं और अब कल के बारे में सोच रहा हूं जब उसका पति अपना काम करके वापस लौटेगा। पायल के कहने से मैं उसके […] …”

Story By: जवाहर जैन (jawaherjain)
Posted: Saturday, April 14th, 2012
Categories: कोई मिल गया
Online version: पायल की चुदाई-4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पायल की चुदाई-4

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार। मैं अभी आपको गुजरात के सूरत में अपनी एक दोस्त पायल की चुदाई की कहानी बता रहा हूँ। अभी मैं उसकी चुदाई से निपटा हूं और अब कल के बारे में सोच रहा हूं जब उसका पति अपना काम करके वापस लौटेगा। पायल के कहने से मैं उसके भाई कादोस्त बनने को तैयार तो हो गया हूं, पर मन में यह डर बना रहा कि यदि उसका पति मेरी इस पहचान से संतुष्ट नहीं हुआ तो एक नई मुसीबत खडी हो जाएगी। यही सोचते हुए मुझे नींद आ गई।

पायल और मैं नंगे ही चिपककर सोए। सुबह मुझे पायल ने उठाई, वह चाय लेकर आई। मैं दिन निकलने का आभास होते ही हड़बड़ा कर उठा, और पायल से पूछा- आ गए क्या तुम्हारे साहब ?

पायल मुस्कुराते हुए बोली- अभी तो नहीं, पर दोपहर का खाना वो हमारे साथ ही खाएँगे। इसलिए आप अब उठकर तैयार हो जाइए। मैं नंगा ही था, खड़ा होने लगा पर पायल ने मुझे वैसे ही रोका और बोली- पहले चाय तो ले लीजिए।

मैं पलंग से अपने पैर लटकाकर बैठा और पायल के हाथ से चाय का कप लेकर पीने लगा। साथ ही उससे पूछा- तुम अपने लिए नहीं लाई ?

वह बोली- नहीं आप चाय पीकर फ्रेश होइए, फिर साथ में पियूंगी।

अब सुरेन्द्र के पहुँचने का समय करीब आ रहा था, और मैं यहाँ नंगा ही बैठा हूँ, इसलिए अब कुछ ना बोलकर मैं चाय जल्दी खत्म करने में लग गया। चाय का कप खाली करके मैं टायलेट की ओर बढ़ा। थोड़ी ही देर मैं नहा-धोकर तैयार हुआ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब पायल बोली- आपके धोने वाले कपड़े जो भी हों, निकाल दीजिए ताकि उन्हें ड्रायर में सूखाकर डाल दूंगी तो वो फिर पहनने के काम आ जाएंगे।

मैं जो कपड़े पहन कर आया था, उन्हें धोने को दिया। तब तक पायल ने डायनिंग टेबल पर नाश्ता लगा कर आवाज दी- आईए जल्दी। सुबह नाश्ते में उसने ढोकला बनाया था, खाकर मजा ही आ गया। नाश्ता करके हम बैठे ही थे कि डोर बेल बजी।

पायल दरवाजा खोलने गई।

उसका पति सुरेन्द्र आ गया था। मैं भी उनके पास गया और अभिवादन की औपचारिकता पूरी की। पायल ने उनसे मेरा परिचय कराया। सुरेन्द्र ने मुझसे हाथ मिलाया और हाथ पकड़कर भीतर लाया। उसने मुझसे सामान्य बातें पूछी, जिसमें से कई का जवाब मुझसे पहले पायल ने दे दिया, सुरेन्द्र मुझे बढ़िया इंसान लगे।

हमारी करीब एक घंटे की बात में ही मुझे यह अहसास हो गया कि वो शर्त लगाने के आदी हैं और अपनी इस आदत के कारण ही वो अभी मुबंई के एक व्यापारी से करीब 15 कैरेट वजनी एक पन्ना जीत कर आ रहे हैं।

बहुत गर्व से उन्होने वह पत्थर 'पन्ना ; पायल व मुझे दिखाया। मैंने इस जीत के लिए उन्हें बधाई दी, साथ ही कहा- सुरेन्द्र जी, जितना मैं समझता हूँ, शर्त लगाना बहुत नुकसान दायक रहता है इसलिए आप अपनी इस बुरी आदत को जितनी जल्दी हो सके छोड़ दीजिए, नहीं तो कहीं कोई बड़ा नुकसान आपको हो जाएगा, तो हम सबको तकलीफ होगी।

सुरेन्द्रजी अपनी इस आदत के इतने ज्यादा लपेटे में थे, और अभी जीता हुआ एक कीमती नग उनके हाथ में था, सो मेरी बात उन्हें बेमानी लगी। उल्टे वो मुझे ही यह बताने लगे कि

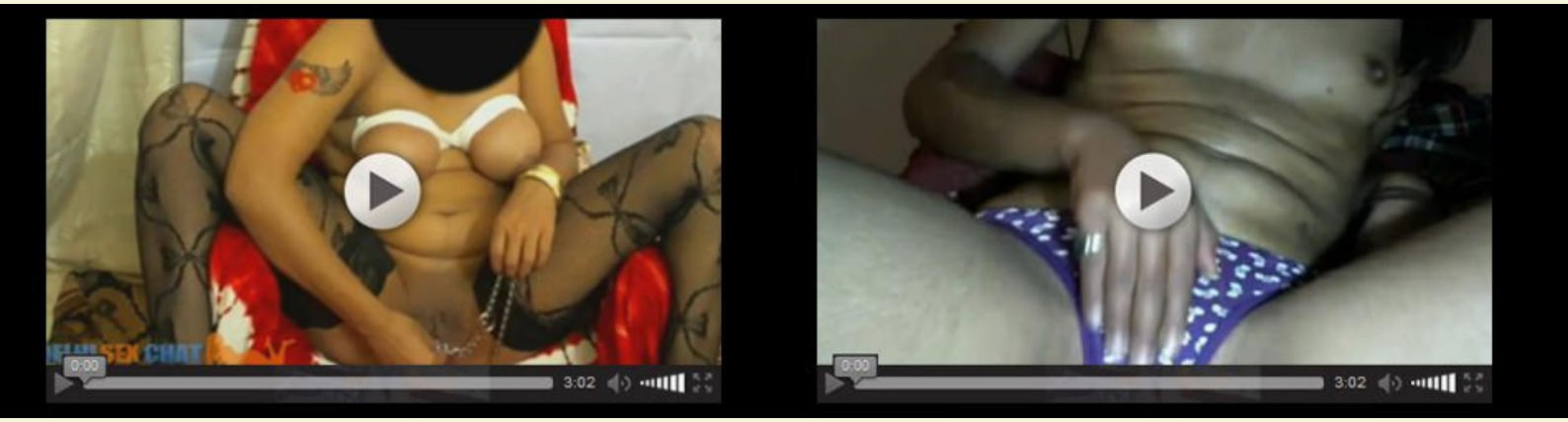

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शर्त लगाने के इस शौक से उन्हें क्या-क्या माल हासिल हुआ है।

तभी पायल आ गई, वह भी सुरेन्द्रजी की इस आदत से परेशान थी, बोली कि कई बार मना करने के बावजूद ये अपनी इस आदत को नहीं छोड़ते हैं। तभी ताव में आकर सुरेन्द्रजी ने कहा- अच्छा आप भचावत से आए हो ना ? भाई जी के दोस्त हो ना तो बताइए कि वहाँ

हमारी जमीन में इस बार क्या लगा है ? यदि आपने इसका सही जवाब दे दिया तो मैं अपने कान पकड़ कर 25 बार उठ बैठ करूंगा, यह बोलते हुए कि अब मैं शर्त नहीं लगाऊँगा, पर यदि आप नहीं बता पाए तो यही आपको करना पड़ेगा। मैं फंस गया, मुझे तो इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं है।

पायल भी किचन में खाना बनाने में लगी थी, सो उससे भी कोई सहायता मिलने की उम्मीद नहीं देखकर मैंने यूँ ही अनमने ढंग से कह दिया- बाजरा।

यह सुनते ही सुरेन्द्र झूम उठे और बोले- देखा आपने, यह शर्त भी मैं जीत गया। चलिए अब शर्त का हरजाना भरिए।

लिहाजवश मैं अपनी कुर्सी से उठकर, मन ही मन सुरेन्द्र को गाली देता हुआ, वहीं पास में कान पकड़ कर उठक-बैठक लगाने लगा और बोलने लगा कि सुरेन्द्रजी से कोई भी शर्त नहीं जीत सकता।

ऐसा 25 बार बोलना था। मेरी आवाज सुनकर पायल रसोई से बाहर आई और मुझे इस हाल में देखकर चकरा गई।

सुरेन्द्रजी ने उनसे कहा- देखा, मैं ना कहता था कि मुझसे शर्त कोई नहीं जीत सकता।

पायल उनको डांटने लगी कि घर में ऐसा कोई करता है क्या अपने मेहमान के साथ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब तक मैं 20 बार उठ-बैठ चुका था तो अब अपनी स्पीड बढ़ाई और 5 बार और करके अपनी जगह आकर बैठ गया।

अब तक पायल ने सुरेन्द्र को बहुत भला बुरा कहा। जिससे वह भी गुस्से में आ गया, और कहने लगा कि जो शर्त लगाता है उसे जानकारी पूरी रखना चाहिए नहीं तो ऐसे ही कान पकड़ कर घूमना पड़ता है।

मैं बोला- शर्त तो आप जीत गए सुरेन्द्रजी, पर सच्चाई यह हैं कि मैं अभी गांव बहुत दिनों से गया नहीं हूँ सो इस बात पर मुझसे चूक होना स्वाभाविक है।

सुरेन्द्र बोला- जब आप भाईजी के दोस्त हैं तो उनसे मिलते या दूर जाते समय उनका और उनकी खेती का हाल पूछ लिया करिए।

मैं उन्हें हाँ बोलकर बात को टाला। कुछ ही देर में हम लोगों ने खाना खाया। खाने के बाद सुरेन्द्र ने मुझसे पूछा- शतरंज खेलते हैं आप ? मैं बोला- हाँ थोड़ा आता है।

यह सिर्फ मैं जानता था कि चेस में मेरा रिजल्ट हमेशा बहुत बढ़िया होता है। उन्होंने पायल को बोलकर शतरंज मंगाया। अब हम दोनों

अपनी गोटियां जमाने लगे।

पायल बोली- अब कोई शर्त तो नहीं लगी है ना ?

सुरेन्द्र ने मेरी ओर देखा तो मैंने कहा- मैं आपके सामने आपके घर में ही बैठा हूँ, आपकी इच्छा से ही यह बाजी जमी है, सो अब शर्त की बात भी आप ही तय कर लीजिए।

सुरेन्द्र बोले- शर्त की बात जीतने के बाद ही तय कर लेंगे।

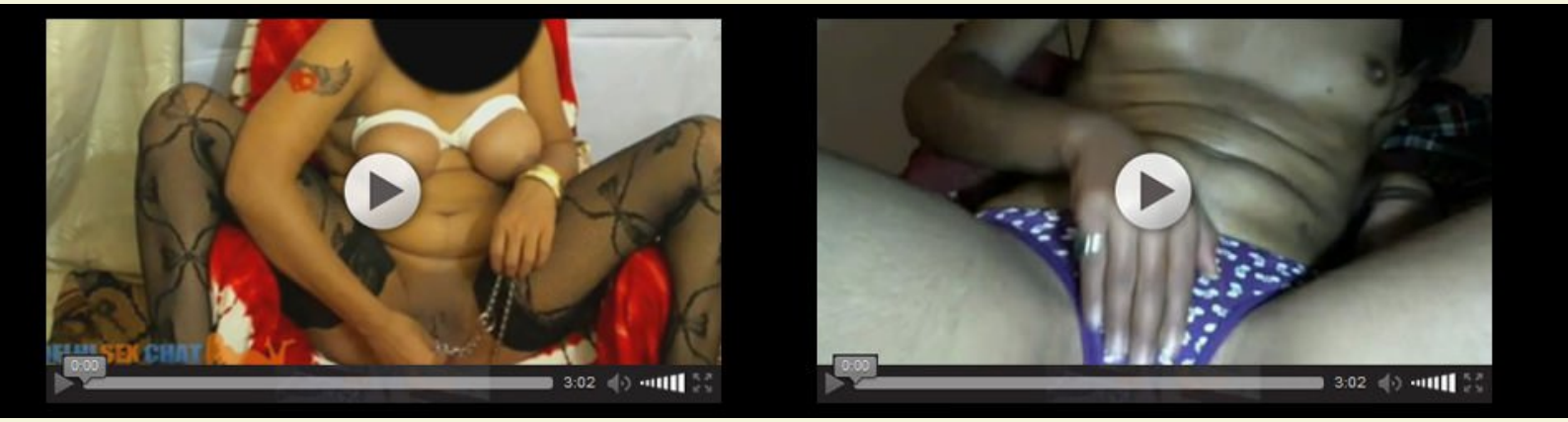

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं बोला- मुझे ऐसा लग रहा है कि आप मुझ पर दया दिखा रहे हैं इसलिए शर्त क्या रहेगी, यह अभी तय होगा।

सुरेन्द्र बोले- तुम मेरे मेहमान हो, तुम ही बोलो।

तब तक पायल भी खाना खाकर आ गई। उसे देखकर मैंने सुरेन्द्र से कहा- यदि मैं जीता तो आज आपका बेडरूम आपकी बीवी

सहित मेरा होगा, और यह पूरी सजकर कमरे में वैसे ही आएगी, जैसे कोई दुल्हन सुहागरात पर अपने पति के पास जाती हैं। यह कमरा भी वैसा ही सजाया जाएगा जैसा पहली रात को सजाया जाता हैं। पायल सारी रात मेरे साथ रहेगी, आप हमें कमरे के बाहर की होल से देखेंगे, और यदि आप जीते तो आप जैसा कहेंगे मैं वैसा करूँगा ? ओके ?

पायल बोली- सुरेन्द्र जी, आप अपने शौक में मुझे बीच में क्यों ला रहे हैं।

सुरेन्द्र बोले- यह दिखाई है मर्दानगी। अब की है शेरों जैसी बात।

अब मैंने पायल को आँख मारी। वह दिखावटी गुस्सा बताकर भुनभुनाती वहाँ से चली गई।

खेल शुरू हुआ।

सुरेन्द्र का गेम वाकई अच्छा था। यदि मैं पहले खेला नहीं होता तो इसमें भी मेरा हारना तय था, पर कुछ देर में ही सुरेन्द्र की मात हो गई। वह मेरे खेल और परिणाम को देख अचंभित था, बोला- तुम तो बहुत अच्छे खिलाड़ी हो, फिर 'नहीं आता' ऐसा क्यूं बोले ?

मैं बोला- मुझे क्या पता था कि मैं जीत जाऊँगा।

अब सुरेन्द्र पायल की ओर देखकर बोले- मैं तुम्हें हार गया हूँ पायल।

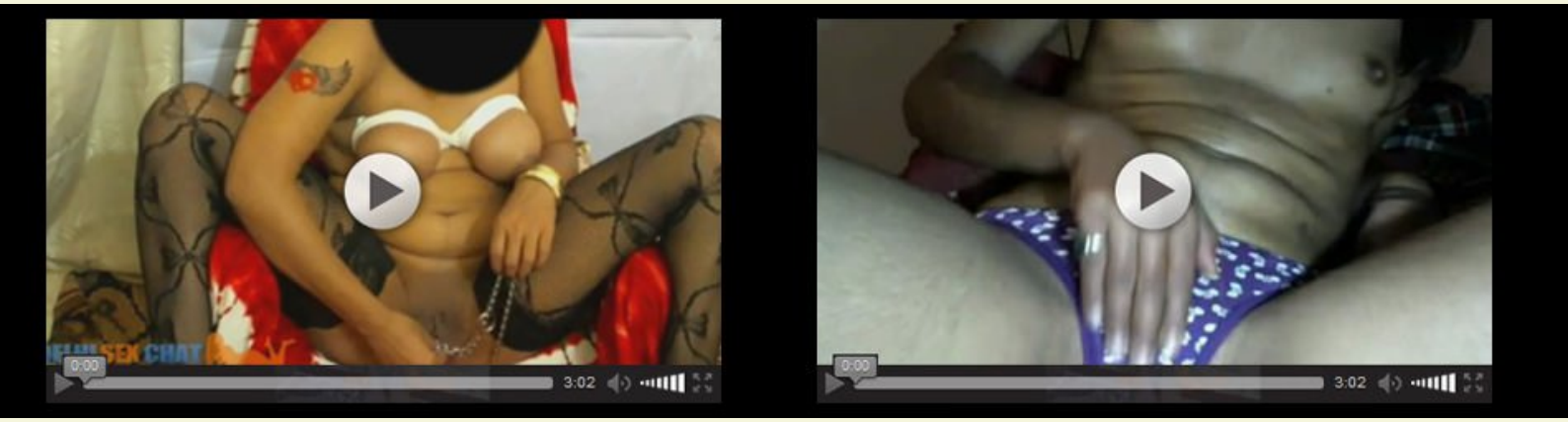

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पायल दोनों हाथों को कान में रखकर जोर से चीखी और बोली- इसी दिन से बचाने के लिए तुम्हें कई बार मना करती थी, शर्त लगाने के लिए। तुम तो सिर्फ़ शर्त हारे हो पर मैं तो जिंदगी ही हार गई।

सुरेन्द्र बोले- पायल हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा।

मुझे लगा कि पायल के ड्रामे से सुरेन्द्र गंभीर हो गया हैं। इस पर इंप्रेशन जमाने के लिए चारा डालता हूँ।

मैंने कहा- जाने दीजिए सुरेन्द्रजी ! कौन सी हमने सही की शर्त लगाई थी। आप अपने घर में खुश रहिए, मैं अपने घर में खुश रहूँगा।

क्या हुआ जो आपसे शर्त हार कर मैंने उठक-बैठक लगाई 25 बार, यह सोचकर भूल जाऊँगा कि कसरत की थी।

सुरेन्द्र बोले- नहीं यार जवाहर, जो तुम जीते हो। तुम्हारी शर्त के मुताबिक मेरी बीवी आज तुम्हारी है। यह आज तुम्हारे लिए पूरी सजकर तैयार होगी, और मैं इसके साथ तुम क्या कैसे करते हो यह की-होल से झांककर देखूंगा।

मैं बोला- ठीक हैं। आज पायलजी पूरा श्रृंगार करके मेरे पास आएँगी। उधर पायल खुद को शर्त में हारने का ड्रामा बहुत शानदार तरीके से कर रही थी। सुरेन्द्र उसे छाती से लगाकर समझा रहा था। तब ऐसा लग रहा था कि पायल अपने दूल्हे से मिलने के लिए सुरेन्द्र के सीने से लगकर उससे विदाई ले रही हो। यहाँ का सीन फिल्मी स्टाइल का बन गया था।

सुरेन्द्र ने कहा- पायल रात को तुम अच्छे से तैयार हो जाना, आज तुम्हें इनके साथ रहना है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पायल यह सुनकर फिर दहाड़े मारने लगी। वह पायल को चुप कराने लगा।

अब मैंने अपनी बीवी स्नेहा को धन्यवाद दिया, जो उसने किसी भी महिला से सैक्स के बाद उसे कुछ गिफ्ट देने की नसीहत दी थी, और यहाँ आने से पहले मुझे एक चेन लेकर दी थी, जिसे मैं पायल को जाते समय देता,पर अब इसे आज ही देने की जरूरत आ पड़ी। उधर माहौल को बदलने के लिए सुरेन्द्र ने कहा- चाय तो पिला दो पायल।

पायल चाय बनाने गई, सुरेन्द्र गुमसुम बैठे हुए थे।

मैं बोला- मैं यहाँ का मार्केट देखना चाहता हूँ, इसलिए आप यदि साथ चलेंगे तो बहुत अच्छा होगा।

सुरेन्द्र बोले- हम दोनों जाएंगे तो पायल घर में अकेली हो जाएगी, वह अपसेट है, सो कुछ गलत कदम भी उठा सकती हैं। इसलिए तुम उसे फुसला कर ले जाओ।

मैं चेहरे पर अनमना सा भाव लाकर 'ठीक है।' बोलकर खुश हो गया कि पायल के साथ घूमने का मौका भी मिल रहा है।

तब तक पायल चाय लेकर आई।

हम दोनों चाय पीने लगे, सुरेन्द्र ने पायल से कहा- पायल, जवाहर को बाजार घूमना है। तुम साथ ले जाना, यहाँ का बाजार दिखा देना इन्हें।

पायल बोली- हम साथ में घूमेंगे, यह भी शर्त में हैं क्या ?

वह बोला- नहीं ! यह तो नहीं है।

पायल बोली- फिर मैं नहीं जाने वाली।

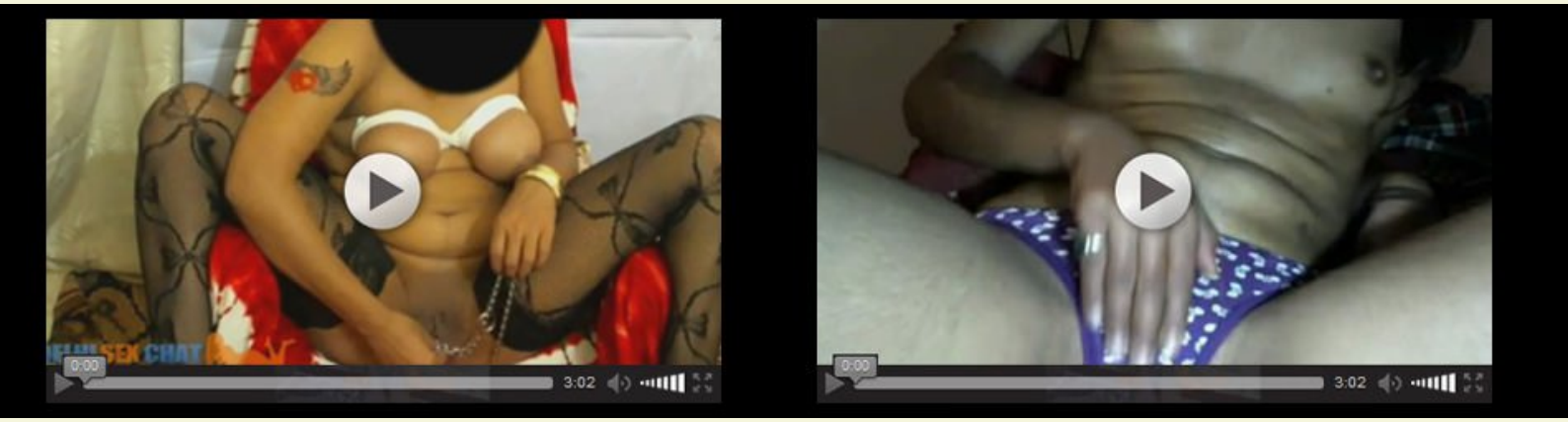

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सुरेन्द्र तुरंत बोले- ठीक है, मेरे साथ तो चलोगी ना ?

वह हाँ बोली तो हम तीनों कार से बाजार गए। पायल ने अपने लिए कुछ सामान लिआ तथा सुरेन्द्र को बोल कर अपनी बिल्डिंग के करीब के एक ब्यूटी पार्लर गई। वहाँ उसने थ्रेडिंग तथा ब्रो व हेयर सेटिंग करवाई। आने के बाद यह और ज्यादा सुंदर दिख रही थी। बाजार से मैंने फूलों का गुलदस्ता, खुले फूल व मालाएँ ली।

सुरेन्द्र से पूछा- यह कमरे को सजाने के लिए हैं ?

मैंने कहा- हाँ।

तभी सुरेन्द्र ने फूल की उसी दुकान में पूरा कमरा सजाने की बात की और उसे अपने घर का पता देकर अभी किसी को भेजकर कमरा सजाने कहा।

फूल वाले ने कहा- ठीक है, मैं लड़कों को आपके साथ ही भेज रहा हूँ। ये कमरा सजाकर वापस आ जाएंगे।

यह बोलकर उसने दो लड़के हमारे साथ ही भेज दिए। इसके पैसे भी सुरेन्द्र ने ही दिए। घर आकर पायल खाना बनाने में लगी। सुरेन्द्र फ्रेश होने गए।

तभी मैं रसोई में घुसा और पायल को पकड़ कर गोद में उठा लिया। पायल भी इस मस्ती में मेरा साथ देने लगी, बोली- मेरे आज के हसबैंड अब मुझे जिंदगी भर नहीं छोड़ना। मैं बोला-आज तुम्हारी चुदाई तो सुरेन्द्रजी भी देखेंगे।

वह बोली- यह चुदाई भी तो उन्हीं की परमिशन से हो रही है।

अब मैं उसके स्तन को दबाने लगा, व हमारे होंठ आपस में चिपक गए। इस लंबे व मधुर चुम्बन के बाद पायल मेरे लौड़े को पैन्ट की चैन खोलकर बाहर निकाली और सुपारे को

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चूसने लगी।

मेरा लंड तन गया, मैंने उसे उठाया और बोला- बस कुछ देर की ही तो बात है। तुम यहाँ का काम जल्दी निपटा लो ताकि अभी फ्रेश होकर सीधे रूम में चलें।

पायल ने काम में अपनी स्पीड बढ़ा दी। मैं भी बाहर आकर सोफे पर बैठ गया। सुरेन्द्र फ्रेश होकर निकला, वैसे ही मैं वाशरूम गया, और जल्दी ही नहा-धोकर बाहर आ गया।

सुरेन्द्र पायल को बोला- आज मेरा बिस्तर यहीं लगा देना।

पायल भावुक हो उससे लिपट गई, फिर भीतर से एक बिस्तर लाकर दरवाजे के पास डाल दिया। अब उसने हम दोनों को खाने के लिए बुलाया।

हमने खाना खाया, इस बीच मेरे और सुरेन्द्र के बीच सामान्य बातें हुई। वह मुझे पायल का ख्याल रखने की नसीयत भी देते रहे।

थोड़ी देर में पायल आई और बोली- मैं भी यहीं सो जाऊँ ना।

मैंने सुरेन्द्र की ओर देखा, उसने पायल को अपनी छाती से लगाया और कहा- तुम आज भर मुझे सहयोग कर दो पायल, फिर मैं तुमसे कुछ नहीं कहूँगा। आज अपने ही पलंग पर सोना है तुम्हें। हाँ अच्छे से तैयार भी हो जाना। पायल मुंह मोड़ कर वहाँ से चली गई। सुरेन्द्र मुझे अपने कमरे में मुझे छोड़ कर खुद बाहर के बिस्तर में सोने गया। मैं कमरे को देख रहा था। यह बहुत खूबसूरती से सजाया गया था। रूम फ्रेशनर भी स्प्रे किया गया था। मैं अभी पलंग में बैठने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। वहीं किनारे के मेज पर बैठ गया।

थोड़ी देर में ही पायल आई। वह जरी वाली कॉफी रंग की साड़ी के अलावा गहनों से लदी हुई थी। अभी वह बेमिसाल लग रही थी। दुल्हन की तरह से वह धीरे-धीरे कदम रखती हुई,

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझ तक पहुँची। मैं स्टूल से खड़ा होकर उसे देखने लगा।

मेरे मुँह से निकला- अप्रतिम !

पायल बोली- आपकी स्नेहा से भी ना ?

मैं बोला- आज जैसे तुमसे सुरेन्द्र अलग हो गए हैं, वैसे ही मुझसे स्नेहा भी अलग हो गई है। आज यहाँ कोई है तो बस मैं और तुम।
यह बोलकर मैंने उसे अपने से चिपका लिया। सूरत में पायल के साथ मैं ऐसी अनूठी रात बिताऊँगा, ऐसा मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था।

पायल के पति के सामने उसके साथ सुहागरात अगले भाग में।

कहानी कैसी लगी, कृपया बताएँ।
jawaherjain@yahoo.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

दोस्त की भाभी ने चूत की पेशकश की-2

जब मेरे मित्र के दीदी की शादी को दस दिन बचे थे तो मेरे दादा जी की तबीयत अचानक बिगड़ गई… आनन फानन में उनको अस्पताल में दाखिल कराया गया… 4 दिन आई.सी.यू में रखने के बाद डॉक्टर ने बताया […]

Full Story >>>

दोस्त की भाभी ने चूत की पेशकश की-1

अन्तर्वासना के सभी पाठक-पाठिकाओं को मैं जी पी ठाकुर हृदय की गहराइयों से प्रणाम करता हूँ ! मैं 25 वर्ष का स्मार्ट गबरू जवान हूँ… बीटेक करने के बाद दो साल जॉब की और फिलहाल सिविल परीक्षा की तैयारी में व्यस्त […]

Full Story >>>

भाभी ने दिया चूत चोदने का आनन्द

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम नमन शर्मा है, मैं आगरा से हूँ। मैं 22 साल का जवान लड़का हूँ और मैं अपने माँ-बाप का इकलौती सन्तान हूँ। पापा की सरकारी नौकरी है और माँ गृहणी हैं। मैं पिछले कई सालों से […]

Full Story >>>

ट्रेन में मिली प्यासी चूत

मेरा नाम लव है, मैं अन्तर्वासना का एक लंबे समय से पाठक हूँ। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मेरे साथ भी ऐसा होगा और मैं भी कभी कोई कहानी पोस्ट करूँगा। दोस्तो यह बिल्कुल सच्ची कहानी है। बात आज […]

Full Story >>>

सविता भाभी और पार्टी

दोस्तो.. आज आप सबकी प्यारी हॉट एंड सेक्सी सविता भाभी का एक और रंगीन किस्सा बयान कर रहा हूँ। आपको तो मालूम ही कि सेक्सी कार्टून की दुनिया की बेताज चुदक्कड़ सविता भाभी अपने नशीले हुस्न को किस तरह आप […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

Indian Phone Sex

Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire